BABA MASTNATH UNIVERSITY

UNIQUE BLEND OF ACADEMICS AND SPIRITUALITY | www.bmu.ac.in

(RECOGNISED BY UGC) ROHTAK, DELHI -NCR

Internal Quality Assurance Cell

IQAC

Format No. IQAC-001

EVENT APPROVAL FORM

Academic Session: 2024

Proposed Event:	1. Seminar 2. Conference 3. Workshop 4. Training 5. Short Term Course 7. Special/Extension Lecture 8. Sports, Cultural, Cocurricular 9........		
Faculty Name:	Humanities		
Department Name:	Hindi		
Topic:	हिंदी शोध में साहित्यिक शोध		
Duration: (in days)	one day	Proposed Mode (Online, Offline, Hybrid) Date & Time:	offline 31.01.2024
Proposed Fee (Rs.) (If any)	No Amount in figure and words		
Speaker's Profile:	Geetu Dhawan		
Convener:	Dr. Parvesh.		
Co-Convener / Organizing Secretary (if any):	———		

Convener/Secretary (Signature with Full Name) 25/01/24

Dean/Chairperson/HoD (Signature with Full Name)

Dean, Faculty of Humanities
Baba Mastnath University
Asthal Bohar, Rohtak

Director (IQAC) 25/1/24

Registrar 25/1/24

Vice-Chancellor 25/1/24

Pro-Chancellor

Scanned with OKEN Scanner

दैनिक सवेरा

भ्रष्टाचार ... सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि हरियाणा की जनता को भी पंजाब व दिल्ली की तर्ज पर सुशासन मुहैया करवाया जा सके।

शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है : गीतू धवन

बीएमयू में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार रखते मुख्यवक्ता।

सवेरा न्यूज/नवीन मलिक रोहतक : बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यवक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के हिंदी-विभाग की इंचार्ज डा. गीतू धवन ने कहा कि शोध का आदि तो होता है परंतु अंत नहीं होता, क्योंकि शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शोध के विभिन्न प्रकारों में साहित्यिक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वैसे तो साहित्य पूरी मानवता के लिए मंगलकारी होता है क्योंकि उसमें मनुष्य के कल्याण की भावना भी विद्यमान रहती है। जब साहित्य साहित्यिक शोध की दिशा में परिवर्तित होता है तब उसमें तथ्य और सत्य भी प्रकट होते हैं। यही शोध का प्रयोजन है। उन्होंने बताया कि साहित्यिक शोध को गद्य की विविध विधाओं के माध्यम से कहानियों और उपन्यासों के उदाहरण देकर साहित्यिक शोध को रोचक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर प्रो. बाबूराम ने कहा कि शोधार्थियों को नवीन और मौलिक विषयों पर शोध कार्य करना चाहिए, इसलिए शोध का अप्रतिन आयाम साहित्यिक शोध को माना जाता है। इस अवसर पर बी.एम.यादव, डॉ. सुमन राठी ने भी अपने

पर्सन के रूप में कार्य करेंगे। साथ ही कहां गया कि विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों की प्रश... जाए। बैठक में जिला के पांच खंडों से आए बीईओ, बीआरसी आईईडी कम प्रिंसिपल, विशेष अध्यापकों ने भाग लिया। ब्यूरो

अमर उजाला

शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : गीतू धवन

रोहतक। शोध का आदि तो होता है, लेकिन अंत नहीं होता क्योंकि शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शोध के विभिन्न प्रकारों में साहित्यिक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वैसे तो साहित्य पूरी मानवता के लिए मंगलकारी होता है। क्योंकि उसमें मनुष्य के कल्याण की भावना भी विद्यमान रहती है। शुक्रवार को बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिंदी-विभाग की इंचार्ज डॉ. गीतू धवन ने यह बात कही। कहा कि जब साहित्य साहित्यिक शोध की दिशा में परिवर्तित होता है तब उसमें तथ्य और सत्य भी प्रकट होते हैं। यही शोध का प्रयोजन है। साहित्यिक शोध को गद्य की विविध विधाओं के माध्यम से कहानियों और उपन्यासों के उदाहरण देकर साहित्यिक शोध को रोचक बनाया जा सकता है। ब्यूरो

अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्रों को वर्तमान समाज में सतर्क और जागरूक होने ...

पंजाब केसरी

महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डा. रेनू राना ने बताया कि महाविद्यालय विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होता है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. सतबीर सिंह, डा. सुशील दलाल एवं महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्य मौजूद थे।

व्याख्यान में हिस्सा लेते शोधार्थी।

बाबा मस्तनाथ विवि. में व्याख्यान माला का आयोजन

रोहतक, 2 फरवरी (स.ह.): बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस व्याख्या माला में बतौर मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के हिंदी विभाग की इंचार्ज डा. गीतू धवन ने शिरकत की।

डा. गीतू ने अपने वक्तव्य में कहा कि शोध का आदि तो होता है परंतु अंत नहीं होता क्योंकि शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शोध के विभिन्न प्रकारों में साहित्यिक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वैसे तो साहित्य पूरी मानवता के लिए मंगलकारी होता है क्योंकि उसमें मनुष्य के कल्याण की भावना भी विद्यमान रहती है।

इस अवसर पर विभाग के अध्यक्ष प्रोफैसर बाबूराम ने मुख्य वक्ता का हार्दिक आभार और अभिनंदन करते हुए बताया कि व्याख्यान शोधार्थियों को शोध की ओर प्रेरित करते हैं। शोधार्थियों को नवीन और मौलिक विषयों पर शोध कार्य करना चाहिए।

मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफैसर बी.एम. यादव ने शोधार्थियों को इस प्रकार के आयोजनों में सम्मिलित होने की सलाह दी तथा अपने शोध को नई दिशा देने को कहा। हिंदी विभाग की सहायक प्रोफैसर डा. सुमन राठी ने कार्यक्रम का संचालन किया और डाक्टर प्रवेश कुमारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

Scanned with OKEN Scanner

हरि भूमि

शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया : गीतू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के हिंदी-विभाग की इंचार्ज डॉ. गीतू धवन रही। उन्होंने कहा कि शोध का आदि तो होता है परंतु अंत नहीं होता क्योंकि शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शोध के विभिन्न प्रकारों में साहित्यिक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वैसे तो साहित्य पूरी मानवता के लिए मंगलकारी होता है क्योंकि उसमें मनुष्य के कल्याण की भावना भी विद्यमान रहती है। जब साहित्य साहित्यिक शोध की दिशा में परिवर्तित होता है तब उसमें तथ्य और सत्य भी प्रकट होते हैं। यही शोध का प्रयोजन है। हिंदी-विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर बाबूराम ने बताया कि इस प्रकार के व्याख्यान शोधार्थियों को शोध की ओर प्रेरित करते हैं। शोधार्थियों को नवीन और मौलिक विषयों पर शोध कार्य करना चाहिए। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर बीएम यादव ने शोधार्थियों को इस प्रकार के आयोजनों में सम्मिलित होने की सलाह दी तथा अपने

शोध को नई दिशा देने को कहा। हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमन राठी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in @diprharyana

पल पल न्यूज

शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है: गीतू धवन

पल पल न्यूज: रोहतक, 2 फरवरी (दर्शन अरोड़ा)। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इस व्याख्या माला में बतौर मुख्य वक्ता गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के हिंदी-विभाग की इंचार्ज डॉ. गीतू धवन ने शिरकत की। डॉ.गीतू ने अपने वक्तव्य में कहा कि शोध का आदि तो होता है परंतु अंत नहीं होता क्योंकि शोध निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शोध के विभिन्न प्रकारों में साहित्यिक शोध की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वैसे तो साहित्य पूरी मानवता के लिए मंगलकारी होता है क्योंकि उसमें मनुष्य के कल्याण की भावना भी विद्यमान रहती है। जब साहित्य साहित्यिक शोध की दिशा में परिवर्तित होता है तब उसमें तथ्य और सत्य भी प्रकट होते हैं।यही शोध का प्रयोजन है। उन्होंने यह भी बताया कि साहित्यिक शोध को गद्य की विविध विधाओं के माध्यम से कहानियों और उपन्यासों के उदाहरण देकर साहित्यिक शोध को रोचक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर हिंदी-विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर बाबूराम ने मुख्य वक्ता का हिंदी-विभाग की ओर से हार्दिक आभार और अभिनंदन करते हुए यह बताया कि इस प्रकार के व्याख्यान शोधार्थियों को शोध की ओर प्रेरित करते हैं। शोधार्थियों को नवीन और मौलिक विषयों पर शोध कार्य करना चाहिए , इसलिए शोध का अधुनातन आयाम साहित्यिक शोध को माना जाता है। मानविकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर बी.एम.यादव ने शोधार्थियों को इस प्रकार के आयोजनों में सम्मिलित होने की सलाह दी तथा अपने शोध को नई दिशा देने को कहा। हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमन रानी ने कार्यक्रम का संचालन किया और डॉक्टर प्रवेश कुमारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। व्याख्यान में हिंदी-विभाग के शोधार्थियों ने सक्रियता से भाग लिया।

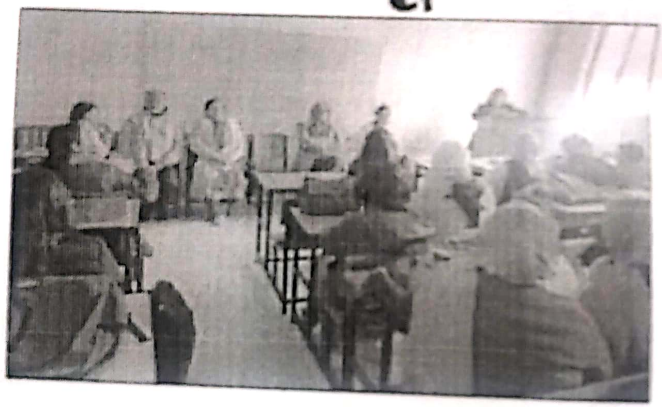

सफा

का प्र